# कवन - 3

(भाषा सीखने का नया नज़रिया)

श्रवण कौशल
(Listening Skills)

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल
(Speaking Skills)

पठन कौशल
(Reading Skills)

लेखन कौशल
(Writing Skills)

दृश्य अवलोकन कौशल
(Viewing Skills)


डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
M.A (Gold Medal), M.Ed, Phd

मनिष कुमार चुड़ासमा
M.Phil, B.Ed


नाम –

कक्षा –

विद्यालय –

प्रस्तुत पुस्तक तथा इसमें निहित समस्त प्रकाशित सामग्री के कॉपीराइट लेखक के अधीन है। अगर कोई भी व्यक्ति इस पुस्तक का नाम, कवर डिजाइन, अन्य सामग्री आंशिक या पूर्ण रूप से अदल–बदलकर या घुमा–फिराकर अथवा किसी अन्य भाषा में प्रकाशित करने या छापने का प्रयास करेगा, तो वह कानूनी रूप से हर्ज़े–खर्चे व हानि का ज़िम्मेदार होगा। न्यायिक क्षेत्र राजकोट रहेगा।

© COPYRIGHT ALL RIGHT RESERVED

Published by : Kavan Education

द्वितीय संस्करण – 2022

सर्वाधिकार सुरक्षित : लेखकाधीन

ISBN : 978-93-5361-252-8

पुस्तक का मूल्य – 499/–

Acknowledgments are due from some of the copyright holders, any omission will be corrected in the future editions.

# पहला पन्ना

'कवन' का अर्थ होता है – 'पानी' जो कि निरंतर बहता रहता है। बिना किसी रुकावट के। भाषा और पानी में यही समानता है कि दोनों बहते रहते हैं। दोनों के मूल में ही बहना है। वैसे भी कहा गया है 'कोस–कोस पर बदले पानी, चार कोस पर बानी।' इसी को ध्यान में रखते हुए इस श्रृंखला का नाम 'कवन' रखा गया है। इस पुस्तक में पाँचों भाषायी कौशल (श्रवण, मौखिक अभिव्यक्ति, पठन, लेखन एवं दृश्य अवलोकन) को शामिल किया गया है। इस पुस्तक को मूल रूप से पाँच भागों में बाँटा गया है –

| | | |
|---|---|---|
| 1 | प्रकरण | (कविता, कहानी, लेख, एकांकी आदि)<br>(पठन एवं लेखन : Reading and Writing) |
| 2 | भाषा और व्याकरण | (पठन एवं लेखन : Reading and Writing) |
| 3 | रचनात्मक लेखन | (लेखन : Writing) |
| 3 | श्रवण कौशल | (Listening) |
| 4 | मौखिक अभिव्यक्ति | (Speaking) |
| 5 | दृश्य अवलोकन कौशल | (Viewing) |

इसके अतिरिक्त पाठ के प्रारम्भ में उसके उद्देश्य (Objective) विचार मंथन (Statement of Inquiry) विचारात्मक प्रश्न (Inquiry Questions) एवं आइए शुरू करें को शामिल किया गया है। पाठ के अंत में स्व मूल्यांकन (Self Assessment) भी दिया गया है, जिससे विद्यार्थी अपने ज्ञान का परीक्षण कर सकें।

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
Email : info@kavaneducation.com
info.kavaneducation@gmail.com
Mo. : 9909998226, 9825709211

# 'कवन' में कुछ खास

| | | | |
|---|---|---|---|
| • उद्‌देश्य | Objectives | :- | प्रकरण प्रारंभ करने से पूर्व उसके उद्‌देश्यों से परिचित करवाना। |
| • विचार मंथन | Statement of Inquiry | :- | प्रकरण के मुख्य विषय (Theme) पर मंथन। |
| • विचारात्मक प्रश्न | Inquiry Questions | :- | प्रकरण से पूर्व प्रश्नों के माध्यम से विद्‌यार्थियों की समझ विकसित करना। |
| • आइए शुरू करें | Let's Begin | :- | प्रकरण प्रारंभ करने से पहले पूर्व भूमिका तैयार करना। |
| • माइंड मैप | Mind Map | :- | संपूर्ण प्रकरण का क्रमवार सारांश |
| • शब्द संपदा | Vocabulary | :- | प्रकरण में आए कठिन शब्दों से विद्‌यार्थियों को परिचित करवाना। |
| • परिचर्चा | Discussion | :- | इस विभाग के माध्यम से विद्‌यार्थी कक्षा में चर्चा करेंगे। |
| • साहित्यिक विमर्श | | | इस विभाग के अंतर्गत विद्‌यार्थियों को हिंदी की अन्य विधाओं तथा साहित्यकारों से परिचित कराने का प्रयास किया है। |
| • परियोजना कार्य | Project Work | :- | इस विभाग के अंतर्गत विद्‌यार्थियों को शोध करके अपना परियोजना कार्य पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करना। |
| • विचार लेखन | | :- | इस विभाग के अंतर्गत विद्‌यार्थियों को विविध विभागों के माध्यम से लिखकर अपने विचार अभिव्यक्त करने का अवसर दिया गया है। |
| • विचाराभिव्यक्ति | | :- | इस विभाग के अंतर्गत विद्‌यार्थी विविध विचारों को मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकेंगे। |
| • गतिविधि | Activity | :- | इस विभाग के अंतर्गत विद्‌यार्थियों को व्यक्तिगत अथवा सामूहिक गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना। |
| • स्व मूल्यांकन | Self Assessment | :- | प्रकरण के अंत में विद्‌यार्थी अपनी समझ का मूल्यांकन स्वयं करेंगे। |
| • मानदंड | Rubrics | :- | विद्‌यार्थी अपने किए गए कार्य की जाँच मानदंडों के आधार पर करेंगे। |

# अनुक्रमणिका


## गद्य एवं पद्य (Prose and Poetry)

| क्रम | प्रकरण | विधा | भाषायी कौशल (Language Skills) | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | बिस्कुट के पेड़ | कविता | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 01 |
| 2 | सच्चा मित्र | कहानी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 07 |
| 3 | आलस बुरी बला | जीवनी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 14 |
| 4 | गाजर–मूली का झगड़ा | एकांकी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 21 |
| 5 | कंप्यूटर पर चिड़िया | कविता | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 31 |
| 6 | गुरु और शिष्य | कहानी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 36 |
| 7 | एकता की शक्ति | कहानी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 42 |
| 8 | राजस्थान का स्वर्ग : माउंट आबू | लेख | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 48 |

## व्याकरण एवं शब्दावली (Grammar and Vocabulary)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | चंद्रबिंदु | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 56 |
| 2 | संयुक्ताक्षर | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 58 |
| 3 | 'र' के विविध रुप | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 61 |
| 4 | विराम चिह्न (Punctuation) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 64 |
| 5 | वचन (Number) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 66 |
| 6 | संज्ञा (Noun) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 68 |
| 7 | सर्वनाम (Pronoun) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 71 |
| 8 | विशेषण (Adjective) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 73 |
| 9 | अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substitution) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 75 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10 | विलोम शब्द<br>(Antonyms) | पठन एवं लेखन कौशल<br>(Reading and Writing Skills) | 76 |
| 11 | पर्यायवाची शब्द<br>(Synonyms) | पठन एवं लेखन कौशल<br>(Reading and Writing Skills) | 77 |

| रचनात्मक लेखन (Creative Writings) | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | अनुच्छेद लेखन<br>(Paragraph writing) | लेखन कौशल<br>(Writing Skills) | 79 |
| 2 | अपठित गद्यांश<br>(Unseen Passage) | पठन एवं लेखन कौशल<br>(Reading and Writing Skills) | 84 |
| 3 | चित्र वर्णन<br>(Picture composition) | पठन एवं लेखन कौशल<br>(Reading and Writing Skills) | 94 |

| श्रवण कौशल (Listening Skills) | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | कहानी<br>(Story) | श्रवण एवं लेखन कौशल<br>(Listening and Writing Skills) | 103 |
| 2 | कविता<br>(Poetry) | श्रवण एवं लेखन कौशल<br>(Listening and Writing Skills) | 106 |
| 3 | वार्तालाप (संवाद)<br>(Conversation) | श्रवण एवं लेखन कौशल<br>(Listening and Writing Skills) | 107 |

| मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills) | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | मौखिक अभिव्यक्ति कौशल | मौखिक अभिव्यक्ति कौशल<br>(Speaking Skills) | 111 |

| दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing Skills) | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | दृश्य अवलोकन कौशल | दृश्य अवलोकन कौशल<br>(Viewing Skills) | 116 |

# गद्य एवं पद्य
(Prose and Poetry)

# पठन कौशल
(Reading Skills)

- बिस्कुट के पेड़
- सच्चा मित्र
- आलस बुरी बला
- गाजर–मूली का झगड़ा
- कंप्यूटर पर चिड़िया
- गुरु और शिष्य
- एकता की शक्ति
- राजस्थान का स्वर्ग : माउंट आबू

# आलस बुरी बला

**उद्देश्य –**

इस कहानी को पढ़ने के बाद –

- अलग–अलग अवसरों पर कहानी सुना सकेंगे।
- अपरिचित शब्दों का अर्थ विशेष संदर्भ में अनुमान द्वारा समझ सकेंगे।
- पूछे गए प्रश्नों को मौखिक एवं लिखित रूप से अभिव्यक्त कर सकेंगे।

**विचार मंथन –** (Statement of Inquiry)

- आलस मनुष्य को आगे बढ़ने से रोक देता है।

**विचारात्मक प्रश्न –** (Inquiry Questions)

- अगर मनुष्य काम करना छोड़ दे तो................
- आलस दूर करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है ?
- आप आलस को दूर करने के लिए क्या–क्या करते हो ?

**आइए शुरू करें –**

समय पर काम पूरा करने के बहुत फ़ायदे होते हैं। जो समय पर पूरा नहीं कर पाता है, उसे बाद में पछताना पड़ता है। यही भाव बताती है यह कहानी –

# आलस बुरी बला

अम्बोली नामक गाँव में एक किशोर नाम का ग्वाला रहता था। वह बड़ा भला आदमी था, लेकिन साथ ही काम को टाला करता था। वह यह मानकर चलता था कि जो कुछ होता है, भाग्य से होता है। वह अपने हाथ पैर नहीं हिलाता था। वह बहुत आलसी था। एक दिन एक ब्राह्मण उसके घर आया। किशोर और उसकी घरवाली ने उसका खूब सत्कार किया। ब्राह्मण ने खुश होकर चलते समय किशोर से कहा,''तुम बहुत गरीब हो, लो मैं तुम्हें पारस पत्थर देता हूँ। आठ दिन के बाद मैं आऊँगा और इसे ले जाऊँगा। इस बीच तुम जितना सोना बनाना चाहो, बना लेना।'' किशोर ने पत्थर ले लिया। ब्राह्मण चला गया।

उसके जाने के बाद किशोर ने घर में लोहा खोजा। उसे बहुत थोड़ा लोहा मिला। वह उसी को सोना बनाकर बेच आया और कुछ सामान खरीद लाया। अगले दिन पत्नी के बहुत ज़ोर देने पर वह लोहा खरीदने बाज़ार में गया तो लोहा कुछ महँगा था। वह घर लौट आया।

दो–तीन दिन बाद फिर वह बाज़ार गया तो पता चला कि लोहा तो अब पहले से भी महँगा हो गया है। कोई बात नहीं, उसने सोचा, एकाध दिन में भाव ज़रूर नीचे आ जाएगा, तभी खरीदूँगा। किंतु

लोहा सस्ता नहीं हुआ और दिन निकलते गए। आठवें दिन ब्राह्मण आया और उसने अपना पत्थर माँगा तो किशोर ने कहा – ‘‘महाराज, मेरा तो सारा समय यूँ ही निकल गया। अभी तो मैं कुछ भी सोना नहीं बना पाया। आप कृपा करके इस पत्थर को कुछ दिन मेरे पास और छोड़ दीजिए।’’ लेकिन ब्राह्मण राज़ी नहीं हुआ। उसने कहा – ‘‘तुझ जैसा आदमी जीवन में कुछ नहीं कर सकता। तेरी जगह और कोई होता तो कुछ–का–कुछ कर डालता। जो आदमी समय का उपयोग करना नहीं जानता वह कभी सफल नहीं होता।’’ किशोर पछताने लगा, पर अब क्या हो सकता था। ब्राह्मण पत्थर लेकर जा चुका था। उसे अपने आलस और भाग्य पर ज़रूरत से ज़्यादा यकीन की कीमत चुकानी पड़ी। इसलिए यह सत्य है, कि कभी भी आलस नहीं करना चाहिए क्योंकि आलस मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन होता है। जब तक यह है तब तक कोई भी इंसान अपने जीवन को ऊँचाईयों पर नहीं ले जा सकता है। इसलिए हमें आलस का त्याग करना चाहिए।

(Mind Map)

किशोर नाम का ग्वाला गाँव में रहता था। वह बहुत आलसी था।

एक दिन ब्राह्मण उसके घर आया। उनके सत्कार से ब्राह्मण बहुत खुश हुआ।

ब्राह्मण ने आठ दिन के लिए एक पारस पत्थर किशोर को दिया।

पारस पत्थर से किशोर ने घर में पड़े लोहे को सोना बना दिया।

लोहा महँगा होने के कारण वह उसके सस्ता होने का इंतज़ार करने लगा। इतने में उसके आठ दिन पूरे हो गए।

## शब्द संपदा

| | | |
|---|---|---|
| ग्वाला | – | गाय, भैंस, बकरी को चराने वाला |
| भाग्य | – | नसीब |
| सत्कार | – | आदर और सेवा |
| पारस | – | ऐसी वस्तु जो किसी को छू ले तो सोना बन जाए। |
| लोहा | – | एक धातु |
| एकाध | – | एक–दो |
| यकीन | – | विश्वास, भरोसा |

**प्रश्न – 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

क – किशोर कहाँ रहता था ?

______________________________

______________________________

ख – ब्राह्मण ने किशोर को पारस पत्थर क्यों दिया ?

______________________________

______________________________

______________________________

ग– ग्वाले ने बनाए हुए सोने का क्या किया ?

______________________________

______________________________

______________________________

घ– किशोर हर बार बाज़ार से खाली हाथ क्यों लौट आता था ?

______________________________

______________________________

च– किशोर ने ब्राह्मण से क्या विनती की ?

______________________________________________

______________________________________________

______________________________________________

छ– मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन कौन होता है ? क्यों ?

______________________________________________

______________________________________________

**प्रश्न – 2 सही गलत बताइए। सही के सामने (✓) गलत के सामने (X) का निशान लगाइए।**

1– ग्वाला भला था। ☐

2– किशोर एक अमीर आदमी था। ☐

3– ब्राह्मण ने किशोर को बहुत कम समय दिया था। ☐

**प्रश्न – 3 नीचे दिए गए शब्दों के लिए अनेकार्थी शब्द लिखिए।**

1– अठारह वर्ष से कम उम्र वाला
एक नाम } ______________
______________

2– एक कीमती धातु
सो जाना } ______________
______________

**प्रश्न – 4 कहानी के पात्र के साथ उसकी विशेषता का मिलान कीजिए।**

| | पात्र | विशेषता |
|---|---|---|
| 1 | किशोर | समझदार |
| 2 | ब्राह्मण | आलसी |
| 3 | पत्नी | परोपकारी |

प्रश्न – 5 नीचे दिए गए वाक्यों को अलग–अलग स्थान पर लिखिए।

क– सभी प्रशंसा करते हैं।

ख– बार–बार कहना पड़ता है।

ग– सब निंदा करते हैं।

घ– काम में व्यस्त रहते हैं।

च– दूसरों से पीछे रह जाते हैं।

छ– आगे निकलकर मंज़िल तक पहुँचते हैं।

ज– बैठे रहते हैं।

झ– अपने–आप काम कर लेते हैं।

| मेहनती लोग | आलसी लोग |
|---|---|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

## परिचर्चा

'आलस से नुकसान और काम से फ़ायदा' इस विषय पर समूह चर्चा कीजिए।

## कहानी के साथ–साथ

कल करें सो आज कर........ ....... कबीरदास जी का यह दोहा सुनिए और अध्यापक से चर्चा कीजिए।

## परियोजना कार्य

समय के महत्व को जानकर आगे बढ़ने वाले व्यक्तियों के नाम लिखिए।

## विचार लेखन

'समय बड़ा अनमोल' इस विषय पर अनुच्छेद लेखन कीजिए।

## विचाराभिव्यक्ति

अगर आपको पारस मिलता तो आप किस प्रकार उसका उपयोग करते।

## गतिविधि

''जीवन में समय का महत्व'' इस विषय पर समूह में नारे बनाइए।

**स्वमूल्यांकन** (Self Assessment)

| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं पाठ को भली–भाँति समझ चुका/चुकी हूँ। | | | |
| 2 | मैं पाठ में दर्शाई घटनाओं को क्रमवार लिख सकता/सकती हूँ। | | | |
| 3 | पाठ के विषय में मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति कर सकता/सकती हूँ। | | | |

# व्याकरण एवं शब्दावली
## (Grammar and Vocabulary)

- चंद्रबिंदु का प्रयोग
- संयुक्ताक्षर
- 'र' के विविध रूप
- विराम चिह्न (Punctuation)
- वचन (Number)
- संज्ञा (Noun)
- सर्वनाम (Pronoun)
- विशेषण (Adjective)
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substitution)
- विलोम शब्द (Antonyms)
- पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

## अभ्यास

क– चित्र देखकर संज्ञा बताओ –

पक्षी

जगह

व्यक्ति

वस्तु

ख– वाक्यों में संज्ञा को रेखांकित करो –

1– माँ रसोई में खाना बना रही है।

2– आयुषी पढ़ रही है।

3– आकाश बादलों से भरा है।

4– बंदर केला खाकर चला गया।

5– स्टेशन पर गाड़ी खड़ी है।

6– साइकिल पार्क के बाहर रखिए।

7– पेड़ पर चिड़िया का घोंसला है।

8– महेश खाना खा रहा है।

9– पंछी उड़ रहे हैं।

10–आरव पतंग उड़ा रहा है।

## ग– अलग–अलग जगह पर लिखो –

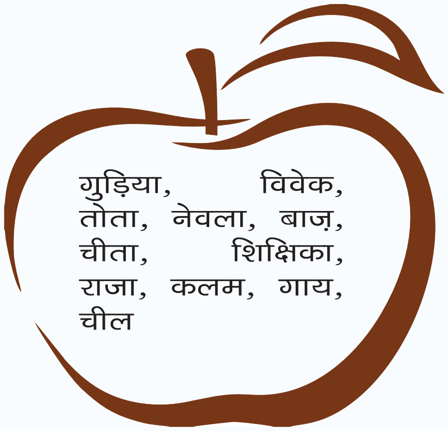


| व्यक्ति | जानवर | वस्तु | पक्षी |
|---|---|---|---|
| ____________ | ____________ | ____________ | ____________ |
| ____________ | ____________ | ____________ | ____________ |
| ____________ | ____________ | ____________ | ____________ |
| ____________ | ____________ | ____________ | ____________ |

## घ – नीचे लिखे वाक्यों में खाली स्थान में उचित संज्ञा शब्दों को भरिए –

1– ____________ धीरे चलता है। (घोड़ा, कछुआ, साँप)

2– ____________ से खुशबू आती है। (फूलों, कागज़, पत्तों)

3– ताजमहल ____________ में है। (मुंबई, हैदराबाद, आगरा)

4– भारत की राजधानी ____________ है। (लखनऊ, अहमदाबाद, दिल्ली)

5– कोलकत्ता भारत का प्रसिद्ध ____________ है। (गाँव, शहर, कस्बा)

**स्वमूल्यांकन** (Self Assessment)

| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं संज्ञा के बारे में जान चुका/चुकी हूँ। | | | |
| 2 | मैं संज्ञा की पहचान कर सकता/ सकती हूँ। | | | |

# रचनात्मक लेखन
## (Creative Writings)

- अनुच्छेद लेखन (Paragraph Writings)
- अपठित गद्यांश (Unseen Passage)
- चित्र वर्णन (Picture Composition)

# अपठित गद्यांश (Unseen Passage)

**उद्देश्य –**

- विद्यार्थियों की व्यक्तिगत योग्यता एवं अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ाना।
- विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना।
- विद्यार्थियों की सोचने समझने की शक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों में सही जानकारी का चयन करने की शक्ति का विकास करना।

अपठित का अर्थ है – अ+ पठित। अर्थात् जो पहले न पढ़ा गया हो।

उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- पूरे गद्यांश को दो बार ध्यान से पढ़ें तथा उसका आशय समझें।
- अब आप नीचे दिए गए प्रश्नों को पढ़ें।
- ध्यान से पढ़ने के बाद जिन प्रश्नों के उत्तर मिलते जाएँ उन्हें रेखांकित करते जाएँ।
- जिन प्रश्नों के उत्तर अस्पष्ट रह गए हों उन्हें फिर से सावधानीपूर्वक पढ़ें।
- उत्तर स्पष्ट तथा संक्षिप्त होने चाहिए।
- उत्तर सरल भाषा में लिखें।

## एक उदाहरण

एक बहुत गरीब मछुआरा था। वह बहुत मेहनत करता था, लेकिन इतनी मेहनत करने के बाद भी वह अपनी पत्नी और बच्चों के भोजन और कपड़ों के लिए बहुत कम पैसे बचा पाता था। एक दिन वह दोपहर को समुद्र के किनारे गया, उसने अपना जाल डाला और तब तक इंतजार किया जब तक जाल में कोई मछली फँस न जाए। उसे लगा कि जाल में कुछ फँस गया है। फिर उसने एक साथ डोरियों को इकट्ठा किया लेकिन ज्यादा वजनदार पाया।
उसने इसे भूमि पर खींचने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह इसे खींच नहीं सका। फिर वह पानी में चला गया और उसे ऊपर लाया। उसने जाल खोला और उसमें तांबे का एक जार मिला। उसने इसे खोला और जार में सोने के सिक्के पाए। वह अमीर हो गया लेकिन स्वार्थी नहीं। उसने अपने गाँव में एक मंदिर बनवाया और सोने के सभी सिक्के मंदिर में दान कर दिए।

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

**क– प्रत्येक कथन के लिए सही या गलत लिखें –**

1– मछुआरा एक बहुत बड़े घर में रहता था। गलत

2– वह ईमानदार था। सही

3– एक दिन उसे सोने के सिक्कों से भरा एक जार मिला। सही

2– दोनों ने एक–दूसरे से क्या वादा किया ?

______________________________

______________________________

3– डर के मारे माधव ने क्या किया ?

______________________________

______________________________

4– राजेश ने अपनी माँ से क्या सुन रखा था ?

______________________________

______________________________

5– आदर्श ने भालू को आता देखकर क्या किया ?

______________________________

______________________________

4– गद्यांश से क्या सीख मिलती है ?

______________________________

______________________________

6– विलोम शब्द लिखिए –

क– मूर्ख – ______________ ख– ज़िंदा – ______________

ग– नीचा – ______________ घ– डरपोक – ______________

7– पर्यायवाची शब्द लिखिए –

क– हमेशा – ______________ ख– वन – ______________

ग– वीर – ______________ घ– समझदार – ______________

## अपठित गद्यांश – 3

संबंध – आलस बुरी बला

हज़ारों साल पहले दक्षिण भारत में एक राजा राज्य करता था। उसके तीन पुत्र थे। तीनों आलसी और बुद्धू थे, जिसके कारण उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता था। राजा ने उन्हें शिक्षा दिलाने का बहुत प्रयास किया, परंतु सब व्यर्थ रहा। तब उन्होंने एक प्रसिद्ध विद्वान विष्णु शर्मा को अपने दरबार में बुलवाया और राजकुमारों को सुधारने की ज़िम्मेदारी उन्हें सौंप दी। विष्णु शर्मा ने राजा को आश्वासन दिया कि केवल छः महीने में राजकुमारों को आलस से दूर करके राजकाज सँभालने में सक्षम बना देंगे। अपना वचन निभाने के लिए उन्होंने राजकुमारों को ऐसी कहानियाँ सुनानी शुरु की जिसमें मनोरंजन के साथ–साथ सीख भी छिपी हुई थी। इन्हीं शिक्षाप्रद, रोचक कहानियों के संग्रह का नाम 'पंचतंत्र' है। इन कहानियों को सुनकर तीनों राजकुमारों ने आलस त्याग दिया और होशियार बन गए।

**दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1– राजा के तीनों पुत्र कैसे थे ?

2– राजा ने किसे और क्यों बुलवाया ?

3– पंचतंत्र में कैसी कहानियाँ हैं ?

4– नीचे दिए गए शब्दों के करीबी अर्थ दायीं ओर से चुनकर उनके वर्ण कोष्ठक में लिखें।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1– | पुत्र | | क– | आश्वासन |
| 2– | तसल्ली | | ख– | शिक्षाप्रद |
| 3– | सीख | | ग– | छोड़ना |
| 4– | त्याग | | घ– | बेटा |
| 5– | रोचक | | ङ– | मनोरंजक |

## अपठित गद्यांश – 4

संबंध – गाजर मूली का झगड़ा

टमाटर का इतिहास बहुत पुराना है। इसके इतिहास से लेकर आज तक एक बड़ा सवाल कायम रहा है कि 'टमाटर सब्जी है या फल ?' दरअसल, जिस सुर्ख टमाटर को अब तक आप महज सब्जी मानते आए हैं वह एक फल है। आपको जानकर हैरानी होगी कि टमाटर कोई ऐसा–वैसा फल नहीं है। बल्कि यह सेब की टक्कर का है। जितने गुण एक सेब में होते हैं उतने ही टमाटर में भी हैं। ताजा अध्ययनों के अनुसार टमाटर स्वास्थ्य के लिए बहुत गुणकारी है। घरों में टमाटर का उपयोग सब्जी के रूप में करने के साथ–साथ सलाद, चटनी तथा सूप आदि के रूप में भी किया जाता है। टमाटर का इस्तेमाल सलाद, सॉस, सब्जी, पुलाव व दाल में तो किया ही जाता है, टमाटर के सेवन से कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। अन्य बीमारियों में भी टमाटर लाभकारी माना गया है।

**दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1– टमाटर सब्जी है या फल ?

2– टमाटर की तुलना किस फल से की गई है और क्यों ?

# श्रवण कौशल
## (Listening Skills)

- कहानी (Story)
- कविता (Poem)
- वार्तालाप (संवाद) (Conversation)

## श्रवण कौशल के मानदंड

| मानदंड | सदैव | अधिकतर | कभी–कभी | सुधार की अति आवश्यकता |
|---|---|---|---|---|
| घटनाक्रम की क्रमानुसार प्रस्तुति | सुनाई गई प्रस्तुति की सभी घटनाओं को क्रमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम | सुनाई गई प्रस्तुति की अधिकतर घटनाओं को क्रमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम | सुनाई गई प्रस्तुति की कुछ घटनाओं को क्रमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम | सुनाई गई प्रस्तुति की एक–दो घटनाएँ ही याद हैं वो भी क्रम में नहीं। |
| शांति एवं सजगता से सुनने की क्षमता | संपूर्ण प्रस्तुति को ध्यान से सुनने की क्षमता | संपूर्ण प्रस्तुति में एक–दो स्थान पर ध्यान भटका था। | संपूर्ण प्रस्तुति में तीन–चार बार ध्यान भटका था। | संपूर्ण प्रस्तुति में बारम्बार ध्यान भटकता रहा। |
| मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान | मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पूर्णतया पहचान करने में सक्षम | मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की अधिकांशतः पहचान करने में सक्षम | मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की आंशिक पहचान करने में सक्षम | मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान करने में असफल |
| भाषा एवं शब्दावली का उचित प्रयोग | उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का विशिष्ट प्रयोग | उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग | उत्तर अपनी भाषा में न लिखकर प्रस्तुति की भाषा का प्रयोग करना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग | प्रस्तुति की भाषा को ज्यों–त्यों का उतार देना एवं अति साधारण शब्दावली का प्रयोग |

### स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं श्रवण कौशल पर आधारित प्रश्नों को हल करने में सक्षम हूँ। | | | |
| 2 | मैं श्रवण संबंधी निर्देशों को समझ चुका/चुकी हूँ। | | | |
| 3 | मैं उत्तर लिखते समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता हूँ। | | | |
| 4 | मैं प्रस्तुति के मुख्य विषय एवं विशिष्ट उद्देश्यों की पहचान कर सकता/सकती हूँ। | | | |
| 5 | मानदंड के आधार पर मैं अपनी श्रवण प्रस्तुति का मूल्यांकन कर सकता/सकती हूँ। | | | |

# मौखिक अभिव्यक्ति कौशल

(Oral Expression Skills / Speaking skills)

## मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 4

**दिए गए चित्रों को उचित क्रम देकर एक कहानी सुनाइए।**

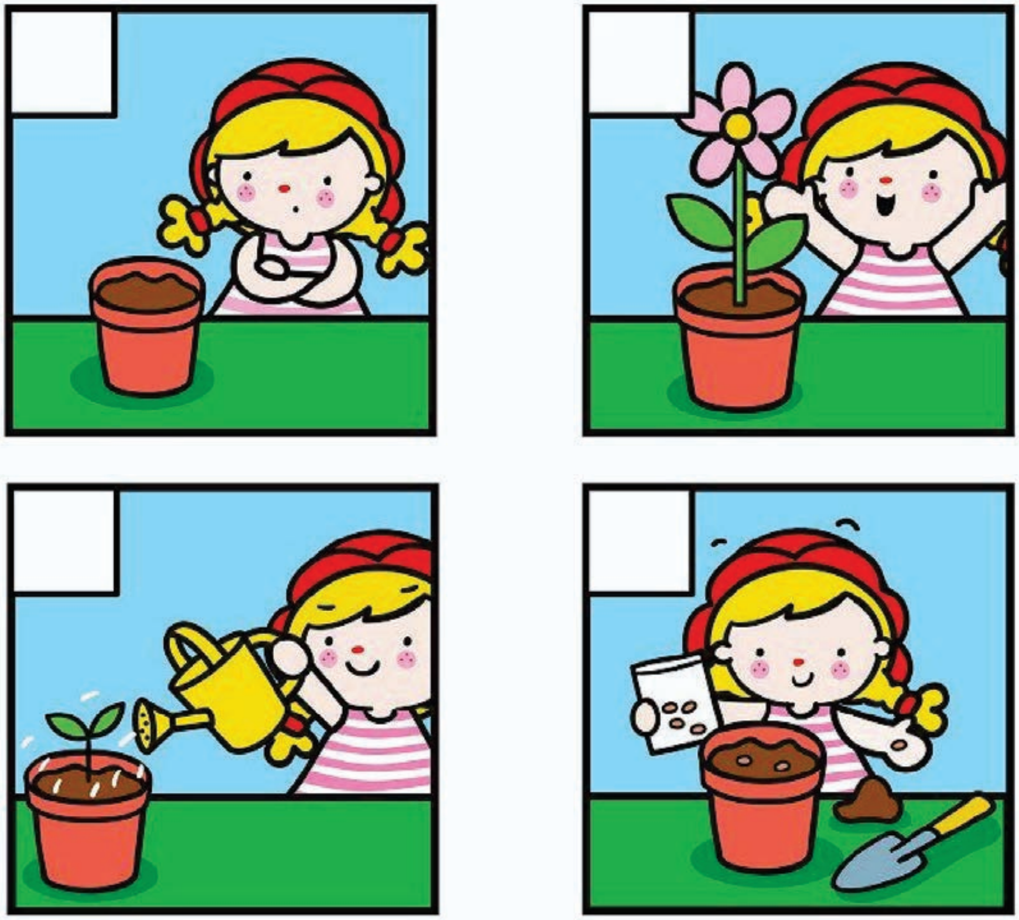

## मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 5

**निम्नलिखित विषयों पर आठ से दस वाक्य बोलकर सुनाइए।**

1– मुझे अपने माता–पिता क्यों अच्छे लगते हैं।
2– मेरे बारे में मेरे भाई–बहन की राय
3– मेरी पसंद का खाना
4– काश! मैं उड़ पाता
5– मेरी सबसे बड़ी इच्छा
6– मेरा प्रिय कार्टून का पात्र
7– मेरी प्रिय पुस्तक
8– मेरी प्रिय फिल्म
9– छुट्टी का एक दिन
10– मेरा प्रिय खेल

# मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के मानदंड

| मानदंड | सदैव | अधिकतर | कभी–कभी | सुधार की अति आवश्यकता |
|---|---|---|---|---|
| बोधगम्यता | प्रस्तुति के सभी मुद्दों की समझ में आए। | प्रस्तुति के अधिकतर मुद्दे समझ में आए। | प्रस्तुति के कुछ विचार और विवरण स्पष्ट थे। | प्रस्तुति के अधिकांश विचार और विवरण अस्पष्ट थे। |
| भाषा और वाक्य रचना | विवरण में संयुक्त वाक्यों का इस्तेमाल एवं विचारों में क्रमकिता | विवरण में सरल वाक्यों का इस्तेमाल एवं विचारों में क्रमकिता | विवरण करते समय वाक्य रचना शिथिल। एवं विचारों में कहीं–कहीं क्रमकिता का अभाव | विवरण करते समय वाक्य एक दूसरे से जुड़े हुए नहीं थे। विचारों में क्रमकिता का अभाव |
| भाषा, शब्दावली का प्रयोग | व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों एवं मुहावरों का प्रयोग। दोहराव नहीं। | व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कहीं–कहीं पर दोहराव। | बुनियादी व्याकरण एवं कुछ नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कई स्थानों पर दोहराव। | बुनियादी व्याकरण एवं कुछ नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कई स्थानों पर दोहराव। |
| प्रवाहिता एवं आधार | एक–दो बार ही नोट्स देखे। प्रस्तुति में कोई ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच नहीं। | कई बार नोट्स देखे। प्रस्तुति में कुछ ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच। | अक्सर नोट्स पर निर्भर। प्रस्तुति में बार–बार ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच | बिना नोट्स पढ़े बोलने में असमर्थ। |

| स्वमूल्यांकन (Self Assessment) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
| 1 | मैं मौखिक अभिव्यक्ति कर सकने में सक्षम हूँ। | | | |
| 2 | मैं मौखिक अभिव्यक्ति संबंधी निर्देशों को समझ चुका/चुकी हूँ। | | | |
| 3 | मैं प्रस्तुति करते समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता हूँ। | | | |
| 4 | मैं प्रस्तुति के विषय को समझकर नोट्स बनाने में सक्षम हूँ। | | | |
| 5 | मानदंड के आधार पर मैं मौखिक प्रस्तुति का मूल्यांकन कर सकता/सकती हूँ। | | | |

# दृश्य अवलोकन कौशल
(Viewing Skills)

# भाषायी कौशल (Language skills)

## दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing skills)

हम एक ऐसी डिजीटल दुनिया में रह रहे हैं जहाँ हम चारों ओर से मोबाइल, कैमरा, इंटरनेट आदि से घिरे हुए हैं। अतः अब भाषा में चार कौशलों के साथ एक कौशल और आ गया है जिसे हम दृश्य अवलोकन कौशल कह सकते हैं।

दृश्य अवलोकन कौशल के उद्देश्य–

- विद्यार्थियों अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में निरीक्षण शक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों में विश्लेषण क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता का विकास करना।

दृश्य अवलोकन कौशल के विकास की विधियाँ– दृश्य अवलोकन कौशल के विकास की अनेक विधियाँ हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं।

1– चित्र/तस्वीर दिखाकर
2– आकृति/प्रतीक दिखाकर
3– वीडियो दिखाकर
4– फिल्म/विज्ञापन दिखाकर
5– चित्रों से कहानी बनाकर
5– अलग–अलग चित्रों में अंतर ढूँढ़कर

### दृश्य अवलोकन कौशल – 1

**दिए गए चित्र का अवलोकन करते हुए किन्हीं आठ गलतियों पर गोला कीजिए।**

## दृश्य अवलोकन कौशल – 4

चित्र देखकर सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए ।

1– चित्र में कौनसा त्योहार दिखाया गया है ?
क– होली | ख– दीपावली | ग– रक्षाबंधन

2– तीनों के चेहरे पर कौन से भाव हैं ?
क– दुख के | ख– आश्चर्य के | ग– खुशी के

3– लड़के ने क्या पहनी है ?
क– जींस | ख– पायजामा | ग– धोती

4– माँ ने कौन से रंग की साड़ी पहनी है ?
क– लाल | ख– हरी | ग– नीली

5– चित्र में घर का कौनसा हिस्सा दिखाया गया है ?
क– रसोईघर | ख– कमरा | ग– छत

6– लड़के के हाथ में कितने दीपक हैं ?
क– दो | ख– तीन | ग– चार

7– लड़की दीपक कहाँ रख रही है ?
क– दीवार पर | ख– बालकनी में | ग– रंगोली के बीच में

8– माँ के हाथ में किस रंग की चूड़ियाँ हैं ?
क– पीली | ख– हरी | ग– नीली

## दृश्य अवलोकन कौशल के मानदंड

| मानदंड | सदैव | अधिकतर | कभी–कभी | सुधार की आवश्यकता |
|---|---|---|---|---|
| अवलोकन | चित्र/दृश्य का अच्छी तरह से अवलोकन किया है। | चित्र/दृश्य का अवलोकन किया है। | चित्र/दृश्य का आंशिक रूप से अवलोकन किया | चित्र/दृश्य का अवलोकन करते समय बहुत सी बातों की ओर ध्यान नहीं दिया। |
| समझ एवं तार्किकता | चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति और काल खंड को ध्यान में रखकर तार्किकता के साथ प्रभावकारी प्रस्तुति | चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति और काल खंड को ध्यान में रखकर तार्किकता के साथ सामान्य प्रस्तुति | चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति को समझकर की गई प्रस्तुति | चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति को बिना समझे की गई प्रस्तुति |
| पठन एवं अर्थग्रहण | चित्र/दृश्य को समझकर उसका उचित अर्थबोध करने में सक्षम। | चित्र/दृश्य को सही ढंग से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित। | चित्र/दृश्य को आंशिक रूप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित। | चित्र/दृश्य को आंशिक रूप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध अस्पष्ट। |

## स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं चित्र / दृश्य का सही प्रकार से अवलोकन कर सकता / सकती हूँ। | | | |
| 2 | मैं चित्र / दृश्य को देखकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सकता / सकती हूँ। | | | |
| 3 | मानदंड के आधार पर मैं चित्र / दृश्य का मूल्यांकन कर सकता / सकती हूँ। | | | |